13-06-2023

प्रथम राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में 11 जून 2023 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में पहले राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन का उद्घाटन किया।

त्वरित मुद्दा?

- प्रधानमंत्री ने जन भागीदारी, स्वच्छ भारत मिशन और अमृत सरोवर के महत्त्व पर बल दिया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर भी प्रकाश डाला जो सभी स्तरों पर सरकारी कर्मियों के लिये प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है।

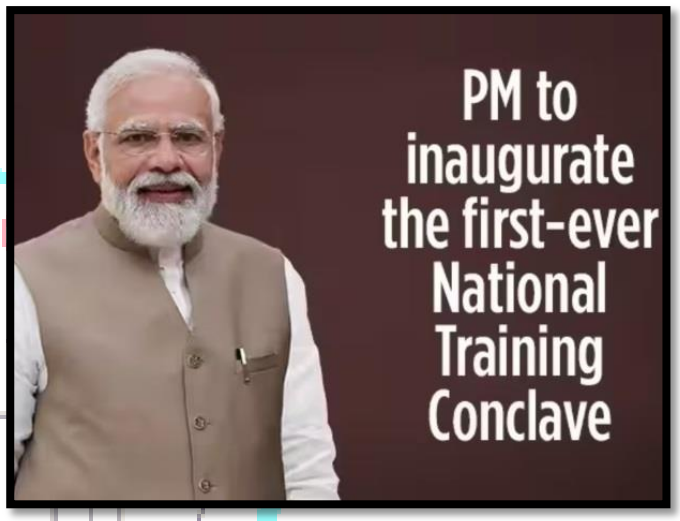

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- यह सम्मेलन या कॉन्क्लेव सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCSCB) - 'मिशन कर्मयोगी' का हिस्सा है।
- इस सम्मेलन की मेज़बानी क्षमता निर्माण आयोग द्वारा की जा रही है।क्षमता निर्माण आयोग का गठन वर्ष 2021 में किया गया था जो विभागों, मंत्रालयों और एजेंसियों की वार्षिक क्षमता निर्माण योजनाओं को तैयार करने की सुविधा प्रदान करता है।
- केंद्र सरकार के विभागों, राज्य सरकारों और स्थानीय सरकारों के सिविल सेवकों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ विचार-विमर्श में भाग लेंगे।
- यह सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा, साथ ही देश भर में सिविल सेवकों हेतु प्रशिक्षण के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करेगा।
- इस सम्मेलन में आठ पैनल चर्चाएँ होंगी, जिनमें से प्रत्येक सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों से संबंधित प्रमुख चिंताओं जैसे- संकाय विकास, प्रशिक्षण प्रभाव मूल्यांकन और सामग्री डिजिटलीकरण पर केंद्रित होगी।
- मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य संस्थागत और प्रक्रियात्मक सुधारों के माध्यम से नौकरशाही में क्षमता निर्माण को बढ़ाना है।
- भारतीय सिविल सेवकों को अधिक रचनात्मक, कल्पनाशील, अभिनव, सक्रिय, पेशेवर, प्रगतिशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी सक्षम बनाकर भविष्य के लिये तैयार करने की परिकल्पना करता है।
- iGOT कर्मयोगी एक ऑनलाइन शिक्षण मंच है जिसे सभी सरकारी कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिये डिजिटल इंडिया स्टैक के अभिन्न अंग के रूप में विकसित किया जा रहा है।

परमाणु हथियार जमा करने की फिर मची होड़!

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई-सिपरी) द्वारा जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने जनवरी 2022 में 350 से जनवरी 2023 में अपने परमाणु हथियारों को 410 तक बढ़ा लिया है।

त्वरित मुद्दा?

- इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन के पास वर्ष 2030 तक अमेरिका और रूस के बराबर अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें (आईसीबीएम) हो सकती हैं।

Stockpile count

The nine nuclear-armed states—the United States, Russia, the United Kingdom, France, China, India, Pakistan, North Korea and Israel— have deployed or stored 9,576 nuclear warheads

Country	Warhead stockpile	
	Deployed	Stored
U.S.	1,770	1,938
Russia	1,674	2,815
U.K.	120	105
France	280	10
China	-	410

Country	Warhead stockpile	
	Deployed	Stored
India	-	164
Pakistan	-	170
North Korea	-	30
Israel	-	90

SOURCE: SIPRI

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- इस रिपोर्ट के अनुसार भारत और पाकिस्तान भी अपने परमाणु हथियार बढ़ा रहे हैं और इसके प्रक्षेपण की नई प्रणालियाँ विकसित कर रहे हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार जहाँ पाकिस्तान भारत को ध्यान में रखकर हथियार विकसित कर रहा है, वहीँ भारत लंबी दूरी की मिसाइलों(पूरे चीन तक पहुँच)के विकास पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है।
- सिपरी (SIPRI) के अनुमान के अनुसार, भारत का परमाणु हथियार 2022 में 160 से बढ़कर 2023 में 164 वॉरहेड हो गया और पाकिस्तान का 165 से 170 हो गया है।
- जनवरी 2022 की तुलना में जनवरी 2023 में 12,512 परमाणु हथियार(86 अधिक) की कुल वैश्विक सूची में से लगभग 9,576 संभावित उपयोग के लिए सैन्य भंडार में थे। रूस और अमेरिका के पास सभी वैश्विक परमाणु हथियारों का लगभग 90% हिस्सा है।
- सिपरी के अनुसार अमेरिका और रूस के संबंधित परमाणु हथियारों (प्रयोग करने योग्य वारहेड्स) का आकार 2022 में अपेक्षाकृत स्थिर रहा, हालांकि यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर दोनों देशों में परमाणु हथियारों के संबंध में पारदर्शिता में कमी आई है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

सिपरी क्या है?

- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई-सिपरी) एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है जिसकी स्थापना वर्ष 1966 में हुई थी।
- इस संस्था का कार्य युद्धों, युद्धक सामग्रियों, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण के क्षेत्र में शोध करना है और देशों के नीति-निर्माताओं, शोधकर्त्ताओं आदि को आँकड़ों का विश्लेषण और सुझाव उपलब्ध कराना है।
- इसका मुख्यालय स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में है और इसकी गिनती विश्व के सर्वाधिक विश्वसनीय शोध संस्थानों में की जाती है।

- सिपरी के अनुसार नौ परमाणु-सक्षम देशों -संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़राइल- के द्वारा 9,576 परमाणु हथियार तैनात या संग्रहीत किए हैं।

पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) ने पोषक तत्वों के असंतुलित उपयोग की समस्या को दूर करने के लिए केंद्र को पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी (NBS) व्यवस्था के तहत यूरिया लाने की सिफारिश की है।

त्वरित मुद्दा?

- इस सिफारिश का उद्देश्य कृषि में असंतुलित पोषक तत्त्व की समस्या को दूर करना है।गैर-यूरिया उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना 2010 में शुरू की गई थी।
- वर्तमान में यूरिया को एनबीएस योजना से बाहर रखा गया है जिसके कारण असमान उपयोग और मृदा के स्वास्थ्य में गिरावट आई है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- यह 2010 में उर्वरक विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- वार्षिक आधार पर तय की गई सब्सिडी की एक निश्चित राशि पोषक तत्व सामग्री के आधार पर सब्सिडी वाले फॉस्फेटिक और पोटाशिक (पी एंड के) उर्वरकों के प्रत्येक ग्रेड पर प्रदान की जाती है।
- फॉस्फेट (पी) और पोटाशिक (के) उर्वरकों के मामले में, इस योजना के तहत एक अंतर-मंत्रालयी समिति द्वारा तैयार उर्वरकों के साथ-साथ कच्चे माल की बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय कीमतों को ध्यान में रखते हुए सब्सिडी तय की जाती है।
- फॉस्फेट और पोटाश के पंजीकृत उर्वरक विनिर्माताओं / आयातकों को को सब्सिडी दी जाती है जो किसानों को सब्सिडी दरों पर इन उर्वरकों को उपलब्ध कराते हैं।
- यह किसानों को रियायती कीमतों पर आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद करता है। यह सरकारी संसाधनों के प्रभावी और कुशल उपयोग को सुनिश्चित करते हुए फॉस्फेट और पोटाश उर्वरकों पर सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP)

- इसका गठन जनवरी 1965 में किया गया था।
- यह एक विशेषज्ञ निकाय है जो उत्पादन लागत, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में रुझान को ध्यान में रखते हुए सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की सिफारिश करता है।
- यह किसान कल्याण मंत्रालय का एक वैधानिक निकाय है।
- यह 22 खरीफ और रबी फसलों के लिए एमएसपी की सिफारिश करता है।
- इसके सुझाव सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं हैं।

- सीएसीपी का मानना है कि इससे पोषक तत्वों के असंतुलित उपयोग की समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी, जिसने मिट्टी के स्वास्थ्य और फसल उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

- सीएसीपी के अनुसार उर्वरक सब्सिडी वर्षों से बढ़ रही है, जबकि उर्वरक प्रतिक्रिया और दक्षता में गिरावट आ रही है।
- दिसंबर 2022 में, सरकार ने संसद को सूचित किया कि यूरिया को एनबीएस में स्थानांतरित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

रेलवे का इंटरलॉकिंग सिस्टम

समाचार पत्रों में क्यों?

रेलवे ट्रैफिक को रेलवे सिग्नलिंग द्वारा नियंत्रित और प्रबंधित किया जाता है। इंटरलॉकिंग, इसका एक अभिन्न अंग है, जिसमें स्टेशनों और जंक्शनों पर ट्रेनों के सुरक्षित संचलन और ट्रैक कॉन्फिगरेशन को प्रबंधित करने के लिए ट्रैक पर रखे गए उपकरणों का एक सेट शामिल है।

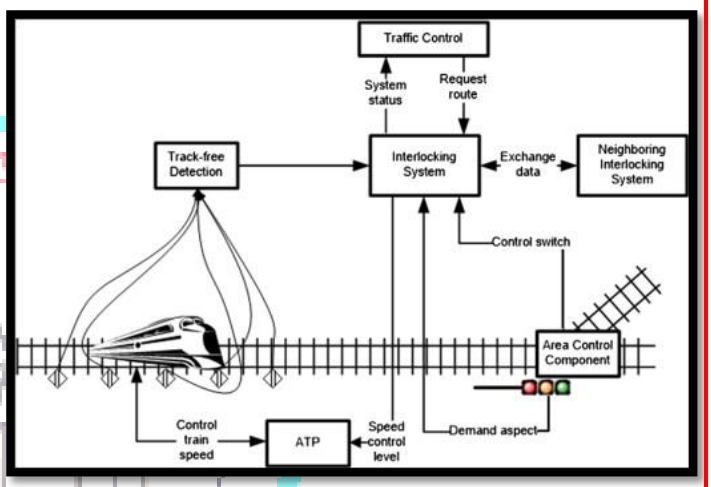

त्वरित मुद्दा?

- यह परस्पर विरोधी मूवमेंट को रोकता है क्योंकि ट्रेन को आगे बढ़ने का संकेत तभी मिलता है जब उसका मार्ग सेट, लॉक और सुरक्षित पाया जाता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- एक इंटरलॉकिंग सिस्टम में सिग्नल उपकरण यंत्रवत् या विद्युत रूप से पटरियों या दोनों के साथ जुड़े हो सकते हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) सिग्नलिंग का एक उन्नत संस्करण है जो सिग्नल, पॉइंट और लेवल- क्रॉसिंग गेट को नियंत्रित करने के लिए कंप्यूटर आधारित सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग करता है।
- भारतीय रेलवे इसे "यार्ड और पैनल इनपुट पढ़ने के लिए माइक्रोप्रोसेसर आधारित इंटरलॉकिंग उपकरण" के रूप में परिभाषित करता है: उन्हें 'फेल सेफ' तरीके से प्रोसेस करें और आवश्यक आउटपुट उत्पन्न करें।
- पारंपरिक रिले इंटरलॉकिंग सिस्टम के विपरीत, ईआई सिस्टम में "इंटरलॉकिंग लॉजिक" को सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

तंत्र कैसे काम करता है?

- सिस्टम एक कमांड प्राप्त करता है, जिसके बाद बार्ड से जानकारी एकत्र की जाती है और सुरक्षित मार्ग निर्धारित करने के लिए संसाधित किया जाता है। निर्धारित मार्ग सरेखित है, और सिग्नलिंग डिवाइस एक विशेष स्थान पर इंटरलॉक किए गए हैं। ट्रैक को किस दिशा में सेट किया गया है और क्या डायवर्जेंट ट्रैक बाधा से मुक्त है, इसके आधार पर पास होने का संकेत दिया जाता है। यदि किसी ट्रेन को लाइनों को बदलने की आवश्यकता होती है, तो सिस्टम उस खाली ट्रैक पर उस बिंदु पर निर्देशित करेगा जहां वो लाइनें मिलती हैं। ट्रैक सर्किट, इस बीच टक्कर से बचने के लिए कई ट्रेनों को उस ब्लॉक पर चलने से रोकते हैं। जब तक ट्रेन उपयोग में ट्रैक के किसी विशेष खंड को पार नहीं कर लेती है या आगे बढ़ने का संकेत वापस नहीं ले लिया जाता है, तब तक सभी बिंदु बंद रहते हैं। यदि सिस्टम में कोई खराबी है, तो लाल बत्ती चमकेगी, यह दर्शाता है कि आगे का मार्ग स्पष्ट या सरक्षित नहीं है।

यह सुनिश्चित करता है कि सभी तत्व एक साथ उचित क्रम में काम करें ताकि ट्रेनें एक दूसरे के रास्ते में आए बिना आगे बढ़ सकें।

- सिग्नलः आगे ट्रैक की स्थिति के आधार पर प्रकाश संकेत ट्रेन को रुकने (लाल बत्ती), आगे बढ़ने (हरा), या सावधानी बरतने (पीला) का निर्देश देते हैं।
- प्वाइटः ये एक ट्रैक के गतिशील खंड होते हैं जो पहियों को सीधी या डायवजिंग लाइन की ओर निर्देशित करके ट्रेन को ट्रैक बदलने की अनुमति देते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी ट्रेन को बदलनी होती है, तो पॉइंट समय से पहले सक्रिय हो जाता है और लॉक हो जाता है।
- ट्रैक सर्किटः दो बिंदुओं के बीच ट्रेन की उपस्थिति का पता लगाने के लिए ट्रैक पर इलेक्ट्रिकल सर्किट लगाए जाते हैं। ये सत्यापित करते हैं कि ट्रेन के लिए इस पर आगे बढ़ना सुरक्षित है या नहीं।

KAUTILYA ACADEMY INDORE